सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 166 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 17 फरवरी, 2024

बहुत जरूरी चीज जो आपमें होनी चाहिए वह है धैर्य।
-जैक मा

मूल्य ₹ 3/-

भारत को झटका, बीच मैच से बाहर हुए... 7 | रास सीट पूरी करेगी सियासी... 3 | जनता का शोषण कर अपना उल्लू... 2

देश में नफरत व डर का माहौल है : राहुल गांधी

प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में राहुल का रोड शो

» बोले- भारत मोहब्बत का देश है, नफरत का नहीं

» बताया- भारत जोड़ो यात्रा में बीजेपी-आरएसएस के लोग भी हुए थे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इस समय उत्तर प्रदेश में चल रही है। आज उनकी यात्रा का यूपी में दूसरा दिन है। इस दौरान आज राहुल अपनी यात्रा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। यहां राहुल गांधी ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में चौथी बार हाजिरी लगाई और माथा टेका। बता दें कि यात्रा को शुरू हुए 35 दिन हो चुके हैं। वाराणसी पहुंचे राहुल गांधी ने लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार व पीएम मोदी पर जबरदस्त हमला भी बोला।

राहुल गांधी ने वाराणसी के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश में नफरत का माहौल है। यह देश नफरत का देश नहीं है। मैं भारत जोड़ो यात्रा में कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल गया था। अपनी यात्रा के दौरान मैं हजारों लोगों से मिला। देश में डर का माहौल बना हुआ है।

एक साथ मिलकर काम करने से मजबूत होगा देश

इस दौरान राहुल ने कहा कि एक साल हुए हैं मुझे भारत जोड़ो यात्रा शुरू किए हुए। मैं कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल गया। 4 हजार किलोमीटर की इस यात्रा में हजारों लोगों से मिला। आपने देखा होगा कि लाखों लोग उस यात्रा में चले। यात्रा में कोई गिरता था धक्का लगने के बाद, तो भीड़ एकदम उसे उठा लेती थी। भीड़ उसकी रक्षा करती थी। किसान आए, मजदूर आए, छोटे व्यापारी आए, बेरोजगार युवा आए, उन्होंने अपनी बात रखी। उनके दिल में जो दर्द था, उसके बारे में मुझसे अकेले मिलकर बात की। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि जब छोटे व्यापारी मुझसे मिलते थे तो कहते थे कि हम डरे रहते हैं कि कल क्या हो जाए। पूरी यात्रा में मैंने नफरत कहीं नहीं देखी। बीजेपी के लोग आते थे, आरएसएस के लोग आते थे यात्रा में। वह जैसे ही यात्रा में आते थे, प्यार से बोलते थे। यह देश मोहब्बत का देश है, नफरत का देश नहीं है। यह तभी मजबूत होता है जब यह एक साथ मिलकर काम करता है।

मैं यहां सिर झुकाकर आया हूं

राहुल गांधी ने भीड़ के बीच से एक शख्स का नाम पूछते हुए कहा कि जब भाई-भाई घर में लड़ते हैं तो इससे घर कमजोर होता है। इसी तरह देश में अगर हम एक-दूसरे से लड़ेंगे तो देश भी कमजोर होगा। एक-दूसरे को जोड़कर रखना भी देशभक्ति है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि मैं यहां अहंकार से नहीं आया हूं, गंगा जी के यहां सिर झुकाकर आया हूं। भारत जोड़ो यात्रा में भी मैं सिर झुकाकर चलता था। मैंने अपनी यात्रा से पहले टीम को बता दिया था कि यात्रा में बहुत सारे लोग मुझे मिलने आएंगे। गरीब लोग आएंगे, अमीर लोग आएंगे। सबके सब लोग आएंगे, जो भी आएगा उसे ऐसा लगना चाहिए कि मैं अपने घर आया हूं, अपने भाई से मिलने आया हूं। प्यार से उसकी मुझसे मुलाकात होनी चाहिए। जब हम ऐसा कर रहे थे तो कोई थकान नहीं होती थी, क्योंकि देश की शक्ति हमारे साथ उस यात्रा में थी।

सड़क पर उतरे किसान, सरकार हुई परेशान

» मोदी सरकार के लिए श्राप है किसान आंदोलन : खरगे

» बोले- सिर्फ कांग्रेस ही किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार दे सकती है

» सरवन सिंह पंढेर ने कहा- सरकार चाहे तो संसद का विशेष सत्र बुलाकर बना सकती है कानून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपनी मांगों को लेकर किसानों का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन लगातार जारी है। आज किसानों के आंदोलन का पांचवां दिन है। एक बार फिर किसान देश की मोदी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) साफ कर चुका है कि वे आगामी दिनों में आंदोलन तेज करेंगे। उनकी पंजाब इकाई 18 फरवरी को जालंधर में एक बैठक करेगी और फिर समीक्षा और भविष्य की रणनीति के लिए सुझाव देने के खातिर नई दिल्ली में एनसीसी और आम सभा की बैठकें होंगी। किसानों फिलहाल पंजाब-हरियाणा के बॉर्डर पर मौजूद हैं। फिलहाल किसान शंभू बॉर्डर पर हैं।

वहीं दूसरी ओर अब किसानों के इस आंदोलन को लेकर सियासत भी गरमा गई है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल किसानों के समर्थन में उतर चुके हैं और केंद्र की भाजपा सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। वहीं आने वाले दिनों में इस आंदोलन के और बढ़ने की भी आशंका है।

सरकार किसानों के साथ कर रही दुश्मनों जैसा व्यवहार : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किसानों के आंदोलन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की आलोचना की और उसे किसानों के लिए श्राप बताया। खरगे ने सरकार पर किसानों के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल कांग्रेस पार्टी ही किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का कानूनी अधिकार प्रदान कर सकती है।

मोदी सरकार के हाथ से निकल चुका है किसान आंदोलन : राउत

शिवसेना (यूबीटी) राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि मोदी सरकार के हाथ से किसान आंदोलन निकल चुका है। बीजेपी वाले किसानों को माओवादी और नक्सलवादी कहते थे। राउत ने इससे पहले कहा कि जिस तरह से किसानों को रोका जा रहा है, वह सही नहीं है और अब तक सैकड़ों किसान घायल हो चुके हैं। प्रदर्शनकारी किसान पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर मौजूद हैं। यहां पर हरियाणा पुलिस उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले और पानी की बौछारों का इस्तेमाल कर रही है।

हम फसलों की खरीद में कॉर्पोरेट्स की लूट को खत्म करना चाहते है : पंढेर

किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि सरकार ने 23 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का ऐलान किया, लेकिन सिर्फ 2 से 3 फसलों की खरीददारी की गई। हम लोग फसलों की खरीद में कॉर्पोरेट्स की लूट को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार चाहे तो संसद का विशेष सत्र बुलाकर कानून बना सकती है। जहां तक अध्यादेश जारी करने की बात है तो यह एक राजनीतिक फैसला है। अगर कैबिनेट चाहे तो फसल खरीद की कानूनी गारंटी पर अध्यादेश ला सकती है।

जनता का शोषण कर अपना उल्लू सीधा करती है बीजेपी : अखिलेश

» बोले- 'दाने बांटकर खेत लूटने वाली भाजपा' का मुखौटा अब उतर गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार के खिलाफ जारी किसानों के प्रदर्शन को अब विपक्षी दलों का लगातार समर्थन मिल रहा है। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मौजूद समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने किसानों का समर्थन करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। किसानों का समर्थन करते हुए अखिलेश ने कहा कि अब ये बात किसानों-मजदूरों व भाजपा विरोधी लोगों द्वारा देश के हर गांव, गली, मोहल्ले तक पहुंचनी चाहिए कि 'भ्रष्ट भाजपा' कैसे अमीरों से पैसे लेकर आम जनता के खिलाफ साजिश रचती है और भावनात्मक रूप से भोली-भाली आम जनता का शोषण करके अपना उल्लू सीधा करती है।

पैसे लेकर सवाल पूछने के झूठे आरोपों पर जब किसी सांसद की सदस्यता जा सकती है, तो पैसे लेकर किसान-मजदूर विरोधी नीतियां बनाने पर तो भाजपा के सभी सांसदों की सामूहिक सदस्यता चली जानी चाहिए। 'दाने बांटकर खेत लूटनेवाली भाजपा' का मुखौटा अब उतर गया है। जनता जीतेगी, भाजपा हारेगी। हम सब साथ हैं।

कमलाकांत ने प्रदेश सचिव के पद से दिया इस्तीफा

वहीं स्वामी प्रसाद मौर्य के बाद अब सपा के प्रदेश सचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री कमलाकांत गौतम ने सपा के प्रदेश सचिव के पद से अपना इस्तीफा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेज दिया है। अपने त्यागपत्र में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ भेदभाव पार्टी के भीतर भेदभाव हो रहा है, इससे बहुजन समाज काफी आहत है। कमलाकांत गौतम ने कहा कि उन्होंने वर्ष 2019 में चुनाव आयोग में पंजीकृत अपनी पार्टी का सपा में विलय किया। इसके बावजूद उन्हें आज तक कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई। बिना किसी जिम्मेदारी के पार्टी का जनाधार नहीं बढ़ाया जा सकता है। इसलिए अब इस महत्वहीन पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। बिना पद के पार्टी के लिए काम करते रहने की बात भी उन्होंने कही है।

सरकार ने किसानों को एमएसपी नहीं दिया, बल्कि लाठी बरसाई : स्वामी

वहीं, सपा विधान परिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी एक्स पर कहा किसानों का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार ने किसानों को एमएसपी तो दिया नहीं अलबत्ते आंदोलनकारी किसानों के रास्ते में पहले कील-कांटे बिछाए फिर लाठी चार्ज, बुलेट (रबर) से फायरिंग व ड्रोन द्वारा आंसू गैस छोड़कर अन्नदाता भगवान रूपी किसानों का घोर अपमान जरूर किया। केंद्र सरकार के इस अलोकतांत्रिक व असंवैधानिक कृत्य की घोर निंदा करता हूं।

संदेशखाली मामला चिंताजनक : मायावती

» बोलीं- दोषियों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली हिंसा को लेकर अब सियासत लगातार गरमाती जा रही है। भाजपा और टीएमसी के आमने-सामने आने के बाद अब इस मामले में कांग्रेस व बहुजन समाज पार्टी जैसे अन्य राजनीतिक दलों की भी एंट्री हो गई है। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिला उत्पीड़न के मामले पर बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हाल ही में महिला उत्पीड़न आदि की उजागर हुई घटनाओं को लेकर वहां जारी तनाव व हिंसा अति चिंतनीय है।

बीएसपी सुप्रीमो ने आगे कहा कि राज्य सरकार इस मामले में निष्पक्ष होकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करे ताकि ऐसी घटनाओं की आगे यहां पुनरावृत्ति न हो सके। बता दें कि संदेशखाली में स्थानीय महिलाएं लगातार प्रदर्शन कर रहीं है। उन्होंने टीएमसी नेता शेख शाहजहां और उनके सहयोगियों पर जबरन उनके जमीनों पर कब्जा करने और उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। महिलाओं ने शेख शाहजहां की गिरफ्तारी की भी मांग की है। इस मामले में कांग्रेस भी शामिल हो चुकी है। राज्य में कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद अधीर रंजन चौधरी इसको लेकर राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर लगातार हमलावर हैं।

जब तक मंत्री नहीं बनूंगा, अधिसूचना जारी नहीं होने दूंगा : राजभर

» बोले- मुसलमानों को सिर्फ ठगा जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में मंत्रिमंडल का विस्तार होना है। अटकलें और चर्चाओं के बीच सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने अब एक बार फिर मंत्रिमंडल विस्तार पर बयान दिया है। उन्होंने इशारों ही इशारों में बीजेपी को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि ओमप्रकाश राजभर जो बोलता है सीना ठोक कर बोलता है। जिस दिन मंत्रिमंडल विस्तार होगा, उस दिन मंत्री बनूंगा। मंत्री जब तक बन नहीं जाएंगे, तब तक अधिसूचना जारी नहीं होने देंगे।

राजभर ने महाराजा सुहेलदेव को भारत रत्न देने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश को गुलाम होने से बचाने वाले राष्ट्र रक्षक महाराजा सुहेलदेव राजभर को भारत रत्न मिलना चाहिए। राजभर ने सपा पर जमकर हमला बोला।

सपा सिर्फ पीडीए की बात ही करती है, काम नहीं

राजभर ने कहा कि सपा 'पीडीए की बात करती है असली काम तो इधर बैठी भाजपा सरकार ने किया है। सपा ने क्यों नहीं सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट पर फैसला लिया। तभी सपा के एक सदस्य ने टिप्पणी की, अब आप सरकार में मंत्री कब बनोगे। ओमप्रकाश राजभर ने मुसलमान नेताओं से अपील करते हुए कहा कि यदि मुस्लिम विधायकों का अभी भी जमीर जिंदा है तो उन्हें राज्यसभा के चुनाव में हिस्सा नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को ठगा जा रहा है। ओपी राजभर ने सपा नेता स्वामी प्रसाद के इस्तीफे पर हमला बोलते हुए कहा कि यह सब सिर्फ ड्रामा है। राजभर ने सवाल उठाया कि आखिर स्वामी प्रसाद मौर्य एमएलसी का पद क्यों नहीं छोड़ा।

एनसीपी टूट को लेकर अजित पवार का शरद पवार पर हमला, बोले-

उनका बेटा होता तो बन जाता पार्टी का अध्यक्ष

» कहा- समूचा परिवार मेरे विरुद्ध, लेकिन पार्टी कार्यकर्ता मेरे साथ हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। चुनाव आयोग द्वारा अजित पवार गुट को असली एनसीपी के बताने के बाद भी चाचा-भतीजे के बीच विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब एक बार फिर अजित पवार ने चाचा शरद पवार पर परोक्ष रूप से हमला बोला है। अजित पवार ने कहा कि अगर वह वरिष्ठ नेता के बेटे होते तो आसानी से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष बन जाते। इस बयान पर शरद पवार के वफादार माने जाने वाले पूर्व राज्य मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने पलटवार करते हुए कहा कि अजित महाराष्ट्र की राजनीति में इतनी तेजी से नहीं उभर पाते अगर वह शरद पवार के भतीजे नहीं होते।

अजित पवार ने यहां पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उन पर शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी को 'चोरी' करने का आरोप लगाया गया, लेकिन निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया है और इस बात की पुष्टि की है कि अजित गुट ही असली राकांपा है। अजित ने अपने चाचा का नाम लिए बिना कहा कि यदि मेरा जन्म वरिष्ठ नेता के घर हुआ होता तो मैं स्वाभाविक रूप से पार्टी का अध्यक्ष बन जाता, बल्कि पार्टी मेरे नियंत्रण में आ जाती। लेकिन मैं आपके भाई के घर पैदा हुआ।

जो मंत्री नहीं बनते, उन पर नहीं लगता भ्रष्टाचार का आरोप: अजित

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग कभी मंत्री नहीं बने और इसलिए उन पर कभी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। उन्होंने कहा कि जब आप कभी मंत्री नहीं बने, तो आपके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप कैसे लगेंगे? मेरे पास राज्य की जिम्मेदारी थी। जो लोग काम करते हैं, उन पर आरोप लगना तय है। जो लोग काम नहीं करते, उनका पाक साफ रहना तय है। अजित पवार ने दावा किया कि यदि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के लिए शरद पवार की पसंद को मान लिया होता तो उनकी सराहना हो रही होती। अजित ने कहा कि वह बारामती से एक ऐसा उम्मीदवार खड़ा करेंगे जिसने पहले कभी चुनाव नहीं लड़ा हो लेकिन उस व्यक्ति के पास पर्याप्त अनुभव वाले समर्थक होंगे। अजित पवार ने कहा कि लोगों को इस उम्मीदवार को यह मानकर वोट देना चाहिए जैसे कि वह स्वयं चुनाव में उतरे हो।

जी मै तो घर वापसी करना चाहता हूँ.....

ओवैसी ने गुजरात की भाजपा सरकार पर बोला हमला

» बोले- शेर बोलने पर मौलाना गिरफ्तार, पर मुझे मारने की धमकी देने वालों को हाथ नहीं लगाया जाता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने फिर बीजेपी पर हमला बोला है। हालांकि, इस बार उनके निशाने पर केंद्र की मोदी सरकार नहीं, बल्कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल के नेतृत्व वाली सरकार है। असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात एटीएस की तरफ से एक मौलाना की गिरफ्तारी पर गुजरात सरकार से कई सवाल पूछे हैं।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि कोई मौलाना अगर तकरीर पढ़ता है, शेर पढ़ता है तो उसे उठाकर जेल में डाल दिया जाता है। मैं पूछना चाहता हूं गुजरात की सरकार से कि तुम मौलाना को मुंबई से पकड़कर गुजरात लेकर चले गए। मगर वही गुजरात में कई ऐसे वीडियो हैं जहां लोग वीडियो में आकर कहते हैं कि हम ओवैसी को गोली मार देंगे, इसकी जुबान को काट देंगे, इसके सिर को काट देंगे, लेकिन उनको कोई हाथ नहीं लगाया जाता। लेकिन इधर कोई गलत शेर पढ़ देता है तो उसके गलत मतलब निकालकर मुंबई से मौलाना को लेकर चले जाते हैं।

रास सीट पूरी करेगी सियासी आस

कई राज्यों में खाली हुईं सीटें, पार्टियों ने बिछाई बिसात

- यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक मुकाबले हुए दिलचस्प
- भाजपा व कांग्रेस में कांटे की टक्कर
- केवल चार पुराने सांसदों को मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस समय देश में चुनावी माहौल गर्म है। सियासी पार्टियां आगामी लोक सभा चुनाव के लिए तैयारी में जुट गई हैं। इससे पहले राज्यसभा चुनावों का दबाव भी सियासी दलों पर भारी पड़ रहा है। बीजेपी सारे तिकड़म लगाकर इन चुनावों में अपनी सीटे बढ़ानी चाहती है। हालांकि ये इतना आसान नहीं होगा। जहां यूपी व बिहार में सपा व राजद उसकी राह में रोड़े हैं वहीं राजस्थान, कर्नाटक में बीजेपी को जद्दोजहद करनी पड़ सकती है। इसी के तहत राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ा दांव लगाया है। इस दांव से कई राज्यों में विपक्ष को नुकसान हो सकता है। वहीं चुनावों की आहट सुनाई देते ही विपक्ष ने बीजेपी व मोदी सरकार को घेरना शुरू कर दिया। कोई उन्हें तानाशाह बता रहा है तो कोई झूठा। उधर भाजपा ने कई राज्यों में ज्यादा उम्मीदवार उतारकर मुकाबला कांग्रेस के लिए कठिन बना दिया है। भाजपा ने अपने सभी उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। सूची में नए चेहरों को मौका दिया गया है। इसमें 28 में से 24 नए चेहरे हैं। भाजपा ने इस बार यूपी और हिमाचल से एक-एक ज्यादा उम्मीदवार उतारकर विपक्षी खेमे को सकते में डाल दिया है।

भाजपा ने जिन चार सांसदों को दौबारा उतारा है उनमें राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी का नाम शामिल है। भाजपा ने कई बार पहले ही ये साफ किया है कि वो कई बड़े नेताओं को इस बार राज्यसभा की जगह लोकसभा चुनाव लड़ाएगी। राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची के बाद ये साफ भी हो गया है। अब केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया, नारायण राणे, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, पीयूष गोयल जैसे वरिष्ठ नेताओं को लोकसभा चुनाव में उतारने की तैयारी है।

मोदी जी झूठ बोलने की फैक्ट्री : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी जी तो झूठ बोलने की फैक्ट्री हैं। मोदी जी प्रियंका चोपड़ा से जरूर मिलेंगे लेकिन हमारे किसान भाइयों से नहीं मिलते हैं। किसानों को MSP मिलना चाहिए और उससे कम कुछ भी नहीं चाहिए। राहुल जी और हम दोनों मिलकर इस प्रदेश से सीएम और देश से पीएम को 2024 में हटाएंगे। भारत जोड़ो न्याय यात्रा को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी जमकर घेरा है। तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार की कसम वाली बात भी याद दिलाई। उन्होंने कहा कि पिछली बार नीतीश कुमार की बातों में आ गया था। अब किसी भी हालत में बिहार और केंद्र से एनडीए की सरकार को हटाना है। तेजस्वी यादव ने काफी आक्रामक अंदाज में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार किसी की भी

बात नहीं सुनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारे सीएम कैसे हैं, वह किसी की बात नहीं सुनना चाहते। वह कहते थे मैं मर जाऊंगा, लेकिन बीजेपी में शामिल नहीं होऊंगा।उनकी इसी कसम में हमलोग आ गए और हमने तय किया कि हम नीतीश जी के साथ रहेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। तेजस्वी यादव ने कहा कि केवल 2024 में भाजपा को हराने के लिए हमलोगों ने एक थके हुए मुख्यमंत्री को नियुक्त किया था, लेकिन धोखा मिला।

कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी हो सकता है खेल

कर्नाटक में चार सीटों पर चुनाव है और यहां तीन सीट कांग्रेस और एक सीट पर भाजपा और जेडीएस गठबंधन का जीतना तय माना जा रहा। कांग्रेस ने कर्नाटक से अजय माकन, अनिल कुमार यादव और नासिर हुसैन को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, भाजपा-जेडीएस ने दो उम्मीदवार उतारे हैं। भाजपा ने नारायणसा बांगडे को तो जेडीएस ने पूर्व राज्यसभा सदस्य डी. कुपेंद्र रेड्डी को उतारा है। यहां 224 विधायकों की असेंबली में कांग्रेस के 135 विधायक, भाजपा के 66 और जेडीएस के 19 विधायक हैं। यहां 4 उम्मीदवार होने पर जीत के लिए 45 नंबर चाहिए, लेकिन जैसा की भाजपा ने पांचवां उम्मीदवार उतारा है तो अब फैसला प्राथमिकता के आधार पर होगा जो कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस की एकमात्र सीट जाने का डर है। अगर कांग्रेस में टूट होती है तो उम्मीदवार चद्रकांत हंडोरे फंस सकते हैं।

यूपी और हिमाचल में होगा दिलचस्प मुकाबला

भाजपा ने इस बार यूपी और हिमाचल से एक-एक ज्यादा उम्मीदवार उतारकर विपक्षी खेमे को सकते में डाल दिया है। दरअसल, भाजपा के इस दांव से यूपी में एसपी की एक सीट फंस सकती है, तो वहीं हिमाचल में कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी की सीट फंस सकती है। हिमाचल में वैसे तो कांग्रेस के पास पूरा संख्याबल है, लेकिन यहां भी एक पेंच फंस सकता है। दरअसल, 68 सदस्या असेंबली में कांग्रेस के पास 40 तो भाजपा के पास 25 विधायक है। कांग्रेस को यहां जीत के लिए 34 विधायक चाहिए, लेकिन पार्टी में असंतोष के कारण यहां क्रॉस वोटिंग का खतरा है। कांग्रेस में वैसे भी क्रॉस वोटिंग का पुराना इतिहास रहा है।

उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर होगी टक्कर

यूपी में इस बार का राज्यसभा चुनाव सबसे दिलचस्प होने वाला है। यहां कुल 10 सीटें है, जहां नंबर गेम में भाजपा को 7 तो सपा को तीन सीट मिलती दिख रही है। लेकिन सपा ने जब अपना तीसरा उम्मीदवार उतारा तो पार्टी में बगावत शुरू हो गई और इसका फायदा उठाने के लिए भाजपा ने अपना आठवां उम्मीदवार संजय सेठ को उतार डाला। यहां बता दें कि यूपी में एक उम्मीदवार को जीत के लिए 37 वोट चाहिए होते हैं। सपा को 111 विधायकों की जरूरत है, लेकिन उसके पास 108 विधायक है। कांग्रेस के दो विधायकों का समर्थन मिलने के बाद भी सपा को एक विधायक की जरूरत होगी। यानी सपा के पास तीसरा उम्मीदवार जीताने के नंबर नहीं है। दूसरी ओर भाजपा के पास भी आठवां उम्मीदवार जीताने के नंबर नहीं है, लेकिन आरएलडी और क्रॉस वोटिंग से वो खेल कर सकती है।

सोनिया के रास जाने से कांग्रेस में आएगी और मजबूती

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी 25 साल बाद अब राज्यसभा के जरिए संसदीय राजनीति करेंगी। सोनिया ने राजस्थान से राज्यसभा के लिए नामांकन भी कर दिया है। विधायकों की संख्या के लिहाज से उनकी जीत तय मानी जा रही है। ऐसा माना जा रहा है उनकेरास में पहुंचने से कांग्रेस को वहां पर सरकार को घेरने में मदद मिलेगी। हालांकि बीजेपी कह रही है इससे कोई लाभ कांग्रेस को नही होगा। 1998 में राजनीति में आई सोनिया अब तक लोकसभा का चुनाव ही लड़ती रही हैं, लेकिन पहली बार उन्होंने उच्च सदन का रुख किया है। लोकसभा छोड़ सोनिया राज्यसभा का चुनाव क्यों लड़ रही हैं, इस पर दो तरह की चर्चा है। सोनिया गांधी बीमार हैं और लोकसभा का चुनाव लड़ने में सक्षम नहीं है। इसलिए उन्होंने राज्यसभा का रुख किया. पिछले 5 साल से रायबरेली में भी सोनिया सक्रिय नहीं रही हैं। उन्होंने पत्र लिखकर भी इसका जिक्र किया है। विपक्षी भाजपा वाले ये कह रहे 10 जनपथ का सरकारी बंगला भी सोनिया गांधी के राज्यसभा जाने का एक मुख्य कारण है। वहीं कांग्रेस के एक वर्ग का मानना था कि बंगला बचाने के लिए सोनिया का राज्यसभा जाना जरूरी है। सोनिया के अलावा गांधी परिवार के किसी नेता को यह बंगला नहीं मिल सकता है। 10 जनपथ का बंगला लुटियंस दिल्ली के मोतीलाल नेहरू मार्ग पर स्थित है। यह बंगला 24 अकबर रोड से भी लगा हुआ है, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को अलॉट होने की वजह से यह बंगला पहली बार सत्ता का केंद्र बन गया। इंदिरा गांधी शासन में यह बंगला युवा कांग्रेस का कार्यालय था, जहां से संजय गांधी अपनी राजनीतिक गतिविधियां संचालित करते थे, 1975 से 1977 तक यह बंगला संजय गांधी के पास रहा। कहा जाता है कि आपातकाल के दौरान यह बंगला पीएम आवास (1 सफदरजंग रोड) से ज्यादा पावरफुल था. उस वक्त इंदिरा कैबिनेट के कई मंत्री यहीं बैठा करते थे। आपातकाल खत्म होने के बाद कांग्रेस की सरकार चली गई। मोरारजी सरकार ने 10 जनपथ के इस बंगले को भारतीय प्रेस परिषद के नाम से अलॉट कर दिया। 1988 तक प्रेस परिषद ने इसी आवास से अपने कामकाज को संचलित किए। प्रेस परिषद के बाद यह बंगला केंद्रीय मंत्री केके तिवारी को अलॉट हुआ। तिवारी बिहार के बक्सर के थे और काफी मुखर नेता थे। उन्हें कांग्रेस हाईकमान का करीबी नेता माना जाता था, 1989 में कांग्रेस की हार के बाद यह बंगला राजीव गांधी को अलॉट हो गया। तब से यह बंगला गांधी परिवार के पास ही है. राजीव गांधी के निधन के बाद यह बंगला सोनिया गांधी के नाम से अलॉट हुआ।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

छात्रों की आत्महत्याएं कहीं दबाव तो नहीं!

छात्रों की आत्महत्या की खबरें आजकल आम हो गई हैं। इस पर सभी को ध्यान देना पड़ेगा। समाज, सरकार व प्रशासन को सजग होकर इसबात चर्चा करनी होगी, कि कैसे ऐसी घटनाएं कम से कम हो। राजस्थान का कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। सफल न होने वाले कई छात्र सुसाइड कर लेते हैं। इस तरह की सुसाइड घटनाएं न हो इसके लिए समय-समय पर पुलिस व प्रशासन द्वारा गाइड लाइन जारी किया जाता रहता है। अभी हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने भी कोचिंग संस्थानों पर लगाम लगाने के लिए दिशा निर्देश दिए हैं। इन सब बातों की अपेक्षा माता-पिता को भी जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्हें अपने बच्चों पर पढ़ाई का ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहिए।

अभी हाल ही में कोटा में एक बार फिर कोचिंग स्टूडेंट के सुसाइड का मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ के रहने वाले स्टूडेंट शुभकुमार चौधरी (16) ने सोमवार रात फंदे पर लटककर जान दे दी। इस साल कोटा में सुसाइड का यह चौथा मामला है। इसके अलावा 2 फरवरी को गोंडा के नूर मोहम्मद (27) ने, 31 जनवरी को कोटा के बोरखेड़ा की निहारिका (18) ने, 24 जनवरी को मुरादाबाद के मोहमद जैद (19) ने आत्महत्या की थी। राजस्थान का कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं। कोचिंग के बड़े केंद्र में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही हैं। वर्ष 2012 से अब तक यहां 148 छात्रों ने आत्महत्या की है। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही हैं। कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है।

अभी हाल ही में कोटा में एक बार फिर कोचिंग स्टूडेंट के सुसाइड का मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ के रहने वाले स्टूडेंट शुभकुमार चौधरी (16) ने सोमवार रात फंदे पर लटककर जान दे दी। इस साल कोटा में सुसाइड का यह चौथा मामला है। इसके अलावा 2 फरवरी को गोंडा के नूर मोहम्मद (27) ने, 31 जनवरी को कोटा के बोरखेड़ा की निहारिका (18) ने, 24 जनवरी को मुरादाबाद के मोहमद जैद (19) ने आत्महत्या की थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

देश में ऊर्जा व संसाधनों का अपव्यय रुकेगा

डॉ. उमेश प्रताप वत्स

हिन्दुस्तान एक ऐसा देश है जहां हर वर्ष कहीं न कहीं चुनाव होते ही रहते हैं। यदि कहा जाये कि त्योहारों के साथ-साथ यह चुनावी उत्सवों का भी देश है तो गलत नहीं होगा। जनसंख्या के आधार पर विश्व का सबसे बड़ा देश हर वर्ष किसी न किसी राज्य में चुनावों की तैयारी में व्यस्त रहता है। जिस कारण देश का बहुत-सा धन, समय, ऊर्जा चुनाव संपन्न कराने में व्यतीत हो जाता है। प्रतिवर्ष जो कर्मचारी चुनाव संपन्न कराने की व्यवस्था में ड्यूटी करते हैं उनके मूल विभाग के कार्य पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। प्रतिवर्ष चुनाव होने के कारण भ्रष्टाचार भी चरम सीमा पर पहुंच जाता है। हाल ही में उत्तर प्रदेश में कहीं दीवारों के अंदर से अरबों रुपयों की बरसात हो रही है और कहीं फर्श तोड़कर तहखानों से करोड़ों रुपये निकाले जा रहे हैं। चुनावों में धनबल प्रयोग होने के कारण भ्रष्टाचार का यह सारा धन अलग-अलग हथकंडों से एकत्र किया जाता है। गुंडातत्व का महत्व बढ़ जाता है।

इस तरह नेताओं की भी जो ताकत जनहित के लिए योजनाओं के क्रियान्वयन में लगनी चाहिए वह भी चुनावों की तैयारी में तथा चुनाव जीतने की कोशिश में लग जाती है। नेता लोग स्वयं को नये रूप में तराशने लगते हैं। वे मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए जबरदस्त होमवर्क करते हैं, इसके लिए जाति-धर्म के नाम पर वैमनस्य फैलाने की तथा भय का वातावरण तैयार करने की योजनाएं बनाई जाती हैं। इन सभी समस्याओं का एक ही समाधान है कि देश की संसद का तथा सभी राज्यों में विधानसभा का चुनाव एक साथ कराया जाये। इसके लिए देश में कई बार बहस छिड़ी भी है। सबने अपने-अपने मत प्रकट किये हैं। कभी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी एक साथ चुनाव कराने की इच्छा जताई थी। वर्तमान में देश के प्रधानमंत्री ने भी अलग-अलग मंचों से एक साथ चुनाव कराने की पैरवी की है किंतु एक व्यापक स्तर पर प्रयास नहीं हो पा रहा है। दरअसल, देश की अधिकतर राजनीतिक पार्टियां इस मामले पर उदासीन हैं।

कहीं न कहीं एक साथ चुनाव कराने में यह समस्या भी है कि किसी राज्य में सरकार को एक वर्ष हुआ है तो किसी में ढाई या चार वर्ष हुए हैं। तो पांच वर्ष के लिए चुनी हुई सरकार को समय से पहले भंग कैसे करें अथवा जब तक सभी सरकारों के पांच वर्ष पूरे हों तब तक बाकी राज्यों में जहां सरकार का

कार्यकाल पूरा हो चुका है वहां कैसे सरकार चलाएं। फिर जैसे-कैसे एक साथ चुनाव करवा भी दिये जायें तो किसी भी सरकार के गठबंधन के कारण या फिर सांसद, विधायक की मृत्यु के कारण सत्ताधारी पार्टी अल्पमत में आ जाये तो क्या करे। यदि रिक्त सीट पर पुन: चुनाव करवाये जायें तो फिर एक साथ चुनाव कराने के प्रयासों को झटका लग सकता है। अत: इन सभी जटिल स्थितियों के कारण कोई भी राजनीतिक दल देशभर में एक साथ चुनाव कराने को लेकर एकमत नहीं है। इसका एकमात्र समाधान यही है कि देश का सर्वोच्च न्यायालय स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले में हस्तक्षेप करे और राजनीतिक दलों को एक राय बनाने को प्रेरित करे। जब 2024 में देशभर में संसदीय चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो तब सभी राज्यों में एक साथ चुनाव कराये जायें बल्कि पंच, पार्षद से लेकर संसद तक सभी चुनाव एक साथ हों। दरअसल, राष्ट्रीय ऊर्जा और धन का अपव्यय रोकने और सामाजिक समरसता बनाये रखने के लिये तमाम उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। उसमें उन विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है जो एक साथ चुनाव संपन्न होने के बाद यदि किसी सांसद या विधायक की मृत्यु से या फिर किसी गठबंधन के टूटने से सरकार अल्पमत में आ जाये तो आगामी पांच वर्ष पूरे करने तक सरकार कैसे चलायी जा सकती है। इस पर भी विचार होना चाहिए कि बहुमत प्राप्त पार्टी शेष काल पूरा करे अन्यथा बचा हुआ समय पूरा करने के लिए राष्ट्रपति शासन लगाया जाये। बेहतर होगा कि किसी तरह मध्यावधि चुनाव की स्थितियां पैदा न हों। यदि देश में किसी भी तरह से लोकसभा व विधानसभा के चुनाव एक साथ होने की व्यवस्था सर्वसम्मति से बनती है तो बहुत ही सुखद परिणाम आयेंगे। देश का धन और समय बचेगा।

कर्मचारियों को बार-बार चुनाव ड्यूटी से निजात मिलेगी। केन्द्र व राज्य सरकारों को पांच वर्षों तक निर्बाध कार्य करने का सुअवसर मिलेगा। भ्रष्टाचार में कमी आयेगी। चुनावी राजनीतिक दुकानें बंद होंगी। चुनाव के दौरान विदेशी षड्यंत्रों में कमी आयेगी। चुनाव आयोग व अन्य विभागों पर चुनाव कराने का दबाव कम होगा। सरकारी जांच एजेंसियों को चुनाव के दबाव बिना कार्य करने का स्पष्ट मार्ग मिलेगा। अन्यथा चुनाव समीकरणों के चलते उनके दुरुपयोग की बातें सामने आती हैं। सबसे बड़ी बात कि पांच वर्ष में एक बार चुनाव संपन्न कराने से देश की बहुत अधिक ऊर्जा व्यर्थ खर्च होने से बचेगी। यह ऊर्जा देश की प्रगति में लगने से भारत उन्नति के शिखर तक जाने में सक्षम होगा।

मस्तिष्क तकनीक से जुड़े मानवाधिकार के प्रश्न

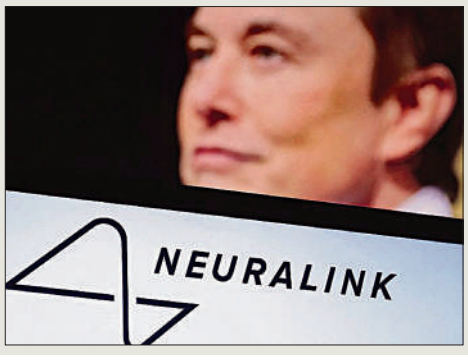

दिनेश सी. शर्मा

तकनीक विशेषज्ञ और खरबपति इलॉन मस्क ने अपने अलमस्त अंदाज में 29 जनवरी को एक्स एप पर चौंकाने वाली घोषणा कर डाली। यह पहले से जानी-पहचानी परियोजना टेस्ला या हाइपरलूप की बाबत न होकर कम मशहूर स्टार्टअप न्यूरालिंक पर थी, जिसकी शुरुआत 2016 में हुई थी। इस कंपनी ने दिमाग के अंदर (इनवेसिव) डिवाइस डालकर गतिविधियां पढ़ने वाली चिप का मनुष्यों पर परीक्षण शुरू कर दिया है। वैसे अमेरिका और अन्य देशों में दशकों से अनेकानेक अनुसंधान समूह इम्प्लांटेबल ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस डिवाइसेस पर काम करते आए हैं और कइयों का परीक्षण भी हुआ है। लेकिन न्यूरालिंक के दावे के मुताबिक उनके इस प्रयोग में किसी मनुष्य के न्यूरॉन से पहली बार सूचना रिकॉर्ड की गई है। इस चिप में अति सूक्ष्म पॉलीमर तंतु हैं, जो दिमाग के अंदर 1024 बिंदुओं से गतिविधियां दर्ज कर सकते हैं। किसी अन्य समूह अथवा कंपनी द्वारा इतनी बड़ी बैंडविड्थ से ब्रेन-कंप्यूटर कम्युनिकेशन का उपयोग करने का दावा अब तक नहीं किया गया।

हो सकता है मस्क की यह घोषणा नाटकीय लगे लेकिन न्यूरालिंक पिछले कई सालों से इस तकनीक पर काम कर रही है। जुलाई, 2019 में कैलिफोर्निया एकेडमी ऑफ साइंस के एक बंद कमरे में हुई बैठक में प्रयोग संबंधी कुछ तफ्सील को साझा किया गया था। यह डाटा अनुसंधानकर्ताओं द्वारा चूहे के दिमाग में स्थापित किए गए अत्यंत सूक्ष्म इलेक्ट्रॉड्स माध्यम से प्राप्त किया गया था। मस्क ने बताया था कि बंदरों के दिमाग में भी डिवाइस डाली गई, जिसने उनके मस्तिष्क को नियंत्रण करना संभव कर दिखाया। इस तकनीक में पॉलीमर तंतु हैं जो दिमाग के न्यूरॉन के इलेक्ट्रिकल सिग्नल को ग्रहण कर कान के पीछे लगी वायरलेस डिवाइस को प्रेषित कर देते हैं। दिमाग में सर्जिकल रोबो की मदद से भी चिप डाली जा सकती है। मस्क के मुताबिक यह तकनीक रीढ़ की हड्डी में चोट से लकवाग्रस्त हुए लोगों की मददगार हो सकती है।

उन्होंने यह दावा भी किया कि चिप से अवसाद और व्यक्ति में एलजाइमर इत्यादि को भी ठीक किया जा सकता है। न्यूरालिंक और अन्य अनुसंधानकर्ता जैसे कि ब्लैकरॉक न्यूराटेक और सिन्क्रोन समूह तरक्की कर रहे इस स्टार्टअप क्षेत्र का हिस्सा है, जिसे न्यूराटेक (फिनटेक, एजूटेक, एग्रीटेक की तर्ज पर) नाम दिया गया है। न्यूराटेक का उद्देश्य इंसान के दिमाग की अवस्था का विनियमन करना है। न्यूराटेक की दो धाराएं हैं : नॉन इनवेसिव और इनवेसिव तकनीक। नॉन इनवेसिव में खोपड़ी की सतह पर इलेक्ट्राड्स और अन्य डिवाइस लगाकर दिमाग की गतिविधि को पढ़ा जाता है और काफी समय से यह विधा उपयोग हो रही है। अनेकानेक न्यूराटेक उत्पाद पहले ही प्रचलित हैं जैसे कि ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम) उपकरण जो दिमाग की गतिविधि में सुधार लाने के लिए सिग्नल को दर्ज कर संबंधित डाटा एवं ट्रांसक्रेनियल स्टिमुलेशन कॉन्ट्रैप्शन मुहैया करवाता है। इसका उपयोग करके दिमाग की गतिविधि में सुधार लाया जाता है। उदाहरणार्थ, सिडनी स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी ने ऐसा सिस्टम बनाया है जो दिमाग में इम्प्लांट किए बगैर शांत विचारों को पढ़कर उन्हें लिखित रूप में दर्ज कर सकता है।

इस विधि में खोपड़ी की सतह से ही मस्तिष्क की इलेक्ट्रिकल गतिविधि को ईईजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एलॉरिद्म की मदद से बड़ी मात्रा में इकट्ठा हुए सिग्नल को बांचकर, उनका अनुवाद शब्दों और वाक्यों के रूप में किया जाता है। इसे ब्रेन-जीपीटी का नाम दिया गया है। न्यूरालिंक सरीखी कंपनियां इनवेसिव तकनीकों पर काम कर रही हैं, जिनमें खोपड़ी की सतह, दिमाग के भीतर और शरीर के अन्य अंगों पर इम्प्लांट स्थापित करना शामिल है। पड्र्यू यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर श्रिया सेन ने वाई-आर नामक तकनीक ईजाद की है, जो शरीर के अंदर ऐसा इंटरनेट स्थापित कर सकती है, जिसका उपयोग करके शरीर के अंदर लगी और बाहर डिवाइस जैसे कि स्मार्टफोन, स्मार्टवाच और इंसुलिन पम्प इत्यादि एक-दूसरे से संपर्क बना सकते हैं। सेन ने ब्रेन इम्प्लांट को लेकर एक अन्य अवधारणा भी पेश की है, जिससे कि भविष्य में इंसान तकनीकी यंत्रों को महज विचारों के जरिए चला/नियंत्रित कर सकेगा। वाई-आर तकनीक ब्लूटूथ या अन्य रेडियो सिग्नल्स से कहीं कम फ्रीक्वेंसी का इस्तेमाल करके काम करती है। यह लो-फ्रीक्वेंसी सिग्नल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम में इलेक्ट्रो-क्वासिस्टिक रेंज में आते हैं और मनुष्य की चमड़ी से गुजरकर प्रेषण कर सकते हैं। सेन और उनके शोधकर्ताओं ने आइनैक्सा नामक कंपनी बनाई है जो खोज को उत्पाद में ढालकर व्यापार करेगी, जो डिजिटल कम्युनिकेशन को माइंड कंट्रोल और ह्यूमन टच देना चाहते हैं।

ब्रेन इम्प्लांट 'किताबी कीड़ों' के लिए कोई क्लिष्ट उपकरण न होकर न्यूरोजिकल व्याधियों, रीढ़ की चोट इत्यादि से ग्रस्त लोगों के बहुत काम की संभावना रखता है। इस किस्म के इम्प्लांट की उपयोगिता मिरगी के पुराने रोगियों या रीढ़ की हड्डी की चोट से लकवाग्रस्त होकर अपाहिज हुए लोगों के लिए हो सकती है। एआई और इम्प्लांट की युगलबंदी विश्वभर में करोड़ों ऐसे लोगों को आशा की किरण दिखा रही है। न्यूराटेक के लिए भारत में भी बहुत मौका है, जहां बड़ी संख्या में न्यूरोलॉजिकल समस्या से ग्रस्त मरीज हैं। तथापि, न्यूराटेक पर नैतिकता और नियमन को लेकर बहुत से तकाजे अनुत्तरित हैं।

ग्रीन स्मूदी

दूध की जगह आप पत्तेदार सब्जियों की स्मूदी पी सकते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियां एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल्स का भंडार हैं। इसमें हड्डियों को मजबूत बनाने वाला मिनरल कैल्शियम भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से विटामिन डी के अवशोषण को भी बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा डायबिटीज में भी स्मूदी की रेसिपी बहुत फायदेमंद होती है। आमतौर पर डायबिटीज की बीमारी आपके शरीर द्वारा शर्करा को मेटाबोलाइज करने के तरीके को प्रभावित करती है, जिसके कई प्रकार होते हैं।

पाया सूप

चिकन और मांस की हड्डियों से बना पाया सूप हड्डियों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। यह सूप पीने में भी स्वादिष्ट होता हैं। इसके नियमित सेवन से हड्डियों को स्वस्थ और मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है। इसमें पाए जाने वाले कोलेजन और मिनरल्स बोन डेंसिटी को बेहतर बनाते हैं।

बेरीज और योगर्ट स्मूदी

बेरीज में एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी मात्रा पाई जाती है और जब इसके प्रोबिओटिक और कैल्शियम से भरपूर योगर्ट के साथ मिल्या जाता है, तो इसकी ताकत दोगुनी हो जाती है और हड्डियों को ताकत देती है। इसके अलावा इस रेसिपी में विटामिन बी और सी की स्वस्थ खुराक सहित कई पोषण संबंधी लाभ प्रदान करता है। बेरी ड्रिंक में केला मिलाने से वर्कआउट के बाद की भूख को संतुष्ट करने के लिए फाइबर, पोटेशियम और पर्याप्त घनत्व मिल जाता है। कम वसा वाला दही अच्छी तरह से काम करने वाले पाचन तंत्र का समर्थन करने के लिए कैल्शियम और प्रोबायोटिक बैक्टीरिया दोनों की एक उदार खुराक प्रदान करता है।

हड्डियां बनेंगी लोहे सी मजबूत

हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त कैल्शियम की जरूरत होती है और आपके शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करने के लिए विटामिन डी भी चाहिए। इन दोनों पोषक तत्वों की कमी से आपकी हड्डियां कमजोर और बीमार हो सकती हैं। ध्यान रहे कि आपका पूरा शरीर हड्डियों के ढांचे पर टिका है और हड्डियों में किसी भी तरह परेशानी या कमजोरी आपके पूरे शरीर को भारी पड़ सकती है। हड्डियों में कैल्शियम और विटामिन डी कमी से आपको हड्डियों की बीमारी रिकेट्स और ऑस्टियोपोरोसिस का रिस्क हो सकता है। यह दो ऐसी बीमारी हैं जिनमें हड्डियां बेहद कमजोर और नाजुक हो जाती हैं और उनके आसानी से टूटने का खतरा बढ़ जाता है, यहां तक कि एक हल्का सा झटका लगने से भी। हड्डियों को स्वस्थ रखने और कैल्शियम की कमी पूरी करने के तरीका यह है कि आप कैल्शियम रिच फूड्स खाएं और उन्हें अवशोषित करने के लिए विटामिन डी वाले फूड्स। दूध-दही जैसे डेयरी उत्पादों में कैल्शियम ज्यादा पाया जाता है और अगर आपको यह पसंद नहीं है, तो आप ये ड्रिंक्स पी सकते हैं।

फोर्टीफाइड ऑरेंज जूस

फोर्टीफाइड ऑरेंज जूस हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। संतरे के रस में नैचुरली विटामिन सी की अधिक मात्रा पाई जाती है जिस वजह से यह वितैन और मिनरल्स के अवशोषण को बढ़ावा देता है। इसके अलावा इसमें विटामिन डी की अच्छी मात्रा होती है जिस वजह से हड्डियों के स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

डाइट में शामिल करें ये चीजें

टमाटर का रस

टमाटर का सूप पीना भी बहुत पसंद करते हैं। यह कैलोरी में कम होता है और कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर भी होता है। टमाटर में लाइकोपीन की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो कि एक जरूरी एंटीऑक्सीडेंट है जो हड्डियों को नुकसान से बचाता है। नियमित रूप से कम मात्रा में टमाटर का जूस पीने से हड्डियों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

हंसना मना है

पति अपनी पत्नी से: मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी: ठीक है कुछ देर बाद। पति: मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी: नहीं अभी नहीं पति: क्यों? पत्नी: अभी मुझे उल्टी ही नही आ रही तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

फादर: अगर इस बार तुम इम्तिहान में फैल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर: आपका रिजल्ट कैसा है? सन: दिमाग का दही मत कर बाबूलाल तु बाप कहलाने का हक खो चूका है।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पार लिखा था, कृपया शोर ना करे, किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

थप्पड़ मारने पर नाराज वाइफ से हसबैंड बोला: आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाइफ ने हसबैंड को 2 थप्पड़ मारे और बोली आप क्या समझते है मै आपसे प्यार नहीं करती।

कहानी — शेर और चूहा

एक बार की बात है, किसी जंगल में एक चूहा रहता था। एक दिन जब वो अपनी बिल की तरफ लौट रहा था, तो उसने एक गुफा में एक शेर को आराम करते देखा। शेर को मजे में सोते हुए देख चूहे के मन में शरारत सूझी। चूहा शेर की गुफा में जा घुसा और शेर के ऊपर चढ़ गया। वह शेर के ऊपर खूब उछल-कूद करने लगा और उसके बाल खींचने लगा। चूहे की शरारतों से शेर की नींद खुल गई और उसने चूहे को अपने नुकीले पंजों में दबोच लिया। चूहे ने जब शेर के पंजे में खुद को पाया, तो वो समझ चुका था कि शेर के गुस्से से अब उसे कोई नहीं बचा सकता और आज उसकी मौत तय है। चूहा बुरी तरह डर गया और रो-रोकर शेर से विनती करने लगा कि शेर जी, मुझे मत मारो, मुझसे भूल हो गई, मुझे जाने दो। अगर आज आप मुझे जाने देंगे, तो मैं आपके इस उपकार के बदले भविष्य में जब भी आपको किसी मदद की जरूरत होगी, मैं आपकी मदद करूंगा। चूहे की बातें सुनकर शेर की हंसी निकल गई। शेर ने कहा कि तुम तो खुद इतने छोटे हो, मेरी मदद क्या करोगे। चूहे की विनती सुनकर शेर को उस पर दया आ गई और उसने चूहे को छोड़ दिया। चूहे ने शेर को धन्यवाद बोला और वहां से चला गया। कुछ दिनों बाद जब शेर खाने की तलाश में इधर-उधर घूम रहा था, तभी अचानक किसी शिकारी के फैलाए जाल में फंस गया। शेर ने खुद को जाल से निकालने की भरपूर कोशिश की, लेकिन निकल नहीं पाया। काफी देर कोशिश करने के बाद शेर ने मदद के लिए दहाड़ लगानी शुरू की। उसी वक्त वो चूहा उधर से गुजर रहा था कि उसने शेर की दहाड़ने की आवाज सुनी। वो भागकर शेर के पास गया और शेर को जाल में फंसा देख चौंक गया। उसने बिना देर करते हुए अपने नुकीले दांतों से जाल को काटना शुरू किया और कुछ ही देर में उसने पूरे जाल को काटकर शेर को आजाद कर दिया। चूहे की इस मदद से शेर की आंखें भर आईं और नम आंखों से शेर ने चूहे को धन्यवाद किया और दोनों वहां से चले गए। फिर शेर और चूहा अच्छे दोस्त बन गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। जोखिम न लें। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा।

वृषभ

भाग्य का साथ मिलेगा। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा।

मिथुन

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा।

कर्क

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह

कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें।

कन्या

घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

तुला

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मकर

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो।

कुम्भ

नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। उत्साह बना रहेगा।

मीन

विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

नादानियां करने को तैयार इब्राहिम अली खान-खुशी कपूर

साल 2024 की धमाकेदार शुरुआत हुई है। दो महीने के अंदर कई फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देकर दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। वहीं, कुछ फिल्में आगामी दिनों में रिलीज होने वाली हैं। अब तक हमें कुछ बड़ी घोषणाएं, टीजर और ट्रेलर देखने को मिले हैं। ऐसी ढेर सारी घोषणाओं के साथ, एक और आगामी फिल्म पर अपडेट सामने आया है, जो वास्तव में दर्शकों का उत्साह बढ़ाने वाला है। यह अपडेट स्टार किड्स इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की फिल्म से जुड़ा हुआ है।

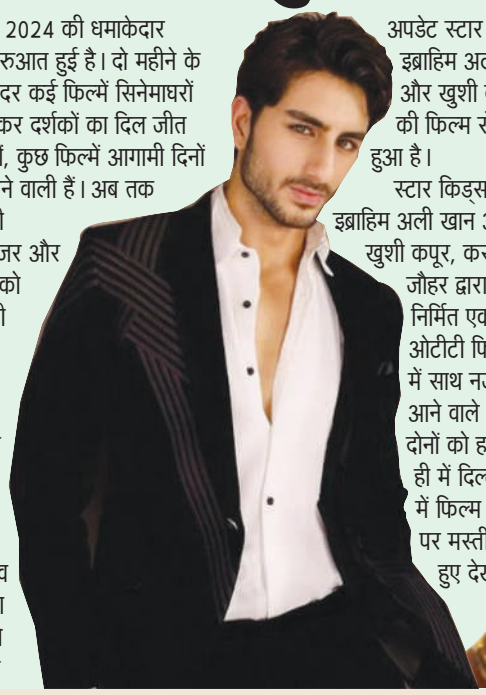

स्टार किड्स इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर, करण जौहर द्वारा निर्मित एक ओटीटी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। दोनों को हाल ही में दिल्ली में फिल्म सेट पर मस्ती करते हुए देखा गया, जहां उन्होंने एक सीन के लिए आइसक्रीम का लुत्फ उठाया। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और फैंस को दोनों की केमिस्ट्री बेहद पसंद आई। जानकारी सामने आने के बाद से ही यह फिल्म सुर्खियों में बनी हुई है। वहीं, अब इसके नाम पर बड़ा अपडेट सामने आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान एक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं और इसका नाम नादानियां हैं। फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा किया जाएगा। इन युवा स्टार्स को साथ देखने के लिए फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हैं। मूवी का निर्देशन शाउना गौतम करेंगी। शाउना पहले रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में करण की सहयोगी निर्देशक थीं, और उन्होंने संजू में राजकुमार हिरानी की भी सहायता की थी। इसके अलावा इस फिल्म से सुनील शेट्टी के भी जुड़ने की खबरें हैं।

'पोचर' की कई खूबियों से प्रेरित हुईं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। जल्द ही उन्हें वेब शो पोचर को में देखा जाने वाला है। इस बारे में एक्ट्रेस ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने इस शो का हिस्सा बनने का फैसला कई फैक्टर्स के आधार पर लिया था। शो में एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर काम करने वाली एक्ट्रेस आलिया ने पोचर के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर मीडिया से इस प्रोजेक्ट को लेकर खुलकर बात की।

आलिया ने एक्टर दिब्येंदु भट्टाचार्य और रोशन मैथ्यू, शो के निर्माता और निर्देशक रिची मेहता और प्राइम वीडियो के अधिकारियों के साथ स्टेज शेयर किया है। शो के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम करने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए आलिया ने कहा, मैं सिर्फ एक चीज की ओर इशारा नहीं कर सकती, जिसने मुझे एक एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया।

आलिया ने आगे कहा, इसमें कई चीजें एक साथ हैं, जो मुझे पसंद आई, जैसे रिची द्वारा तैयार की गई शानदार कहानी, रिसर्च में उनकी कड़ी मेहनत, देश के कुछ बेस्ट एक्टर्स की शानदार भूमिका और निश्चित रूप से दर्शकों पर शो का असर।

उन्होंने आगे कहा, रिची और एक्टर्स सहित टीम ने इतना अद्भुत काम किया है कि सीरीज देखकर मेरी आंखें भर आईं और इसका मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा। शो में ऐसे कई सीन्स हैं, जिनके बारे में मैं अभी बात नहीं कर सकती, लेकिन मैंने और मेरी बहन ने सीन्स पर नोट्स का आदान-प्रदान किया और ये 3-4 सीन्स वास्तव में हमारे लिए खास रहे।

बॉलीवुड | मन की बात

सेट पर डायरेक्टर ने कहा था कि तुम फिल्मों के लिए नहीं बनी हो : महिमा

टीवी इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस महिमा मकवाना इन दिनों फिल्मी दुनिया में खूब नाम कमा रही हैं। जल्द ही उन्हें धर्मा प्रोडक्शन की सीरीज शोटाइम में देखा जाने वाला है। इस सीरीज में उन्हें इंडस्ट्री के कई बड़े-बड़े कलाकारों के साथ के स्क्रीन शेयर करते हुए देखा जाने वाला है। हाल ही में सीरीज का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। इसी बीच अब उन्होंने ट्रेलर लॉन्च के मौके पर महिमा ने एक निर्देशक की सबसे घटिया बात के बारे में खुलासा किया। शो के ट्रेलर लॉन्च के दौरान महिमा ने कहा, एक निर्देशक ने मुझसे सबसे घटिया बात यह कही है कि तुमसे ना हो पाएगा। मैं सेट पर गई, मैं पूरी तरह तैयार थी और जाहिर तौर पर नर्वस भी थी। वे मेरे पास आए और मुझसे कहा, तुम यहां क्या कर रही हो, मुझे नहीं लगता कि तुम फिल्मों के लिए बनी हो। हालांकि, आज महिमा ने खुद को साबित कर दिया है कि वह टीवी शोज के साथ-साथ फिल्मों में भी काम कर सकती हैं। बता दें कि शोटाइम में महिमा मकवाना के साथ इमरान हाशमी, मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह जैसे सितारे भी लीड रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं, इन मंझे हुए कलाकारों की फौज के बीच महिमा भी बहुत दमदार नजर आ रही हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि यह सीरीज फिल्मों की दुनिया, प्रोडक्शन हाउस और उनके काम करने के तरीके के बारे में विस्तार से बताती है। मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित, यह शो धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। शोटाइम 8 मार्च को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है। इस सीरीज में महिमा को महिका नंदी का किरदार निभाते हुए देखा जा रहा है।

तैरते समय बर्फ का कितना हिस्सा होता है पानी में और क्यों क्या आप जानते हैं इसका जवाब?

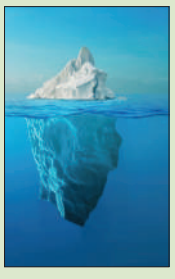

विज्ञान पर आधारित सवालों में बर्फ को लेकर अक्सर एक यही सवाल पूछा जाता है कि बर्फ पानी में क्यों तैरती है। पानी और बर्फ दोनों का ही रासायनिक सूत्र एक ही है, बस दोनों की अवस्था में अंतर होता है, जहां पानी तरल होता है, वहीं बर्फ पानी की ही ठोस रूप है। पर एक रोचक सवाल यह भी है कि जब बर्फ पानी में तैरती है, तो उसका कितना हिस्सा पानी के अंदर रहता है, और कितना हिस्सा पानी के बाहर रहता है? सबसे पहले हम यह जान लें कि बर्फ अकेला ऐसा पदार्थ नहीं है जिसका ठोस रूप उसके तरल रूप में तैरता है। सिलिकॉन, जर्मेनियम, गैलियम, आर्सनिक और बिस्मथ जैसे तत्व भी ऐसे हैं जिनका ठोस रूप अपने तरल रूप में तैरता है। इसका सरल सा कारण यह है कि कोई भी पदार्थ जिसका घनत्व उसके तरल से कम होगा वह अपने तरल स्वरूप में तैरेगा। ऐसा ही बर्फ के साथ ही होता है। सच यह है कि बर्फ का घनत्व पानी के घनत्व की तुलना में 9 फीसदी कम होता है। ऐसे में यही होता है कि बर्फ पानी में तैरेगी ही। लेकिन बर्फ का घनत्व पानी के घनत्व से कम क्यों होता है? इस सवाल का जवाब पानी और बर्फ के मामले में अन्य चीजों से अलग ही है। बर्फ पानी से हलकी होती है। और इसके पीछे की वजह यह है कि पानी के अणु में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के परमाणु जुड़े होते हैं। जब पानी तरल अवस्था से ठोस अवस्था में बदलता है तो उसकी खास लैटिस संचरना बनती है जिसकी वजह से पानी के अणु ठोस होते होते एक दूसरे से दूर हो जाते हैं। यही कारण है कि बर्फ पानी से हलका हो जाता है। सामान्य तौर पर हम जब बर्फ की बात करते हैं तो घर के फ्रिज में बनी बर्फ के लिहाज से इस सवाल का जवाब अलग हो सकता है। पानी के गिलास में डली हुई बर्फ का अधिकांश हिस्सा पानी के अंदर ही रहता है। पर ऐसा कितना होता है। क्या एक चौथाई, आधा या हकीकत में यह केवल 10 प्रतिशत होता है। यानी कि जब बर्फ के टुकड़े या आइसक्यूब को हम पानी में डालते हैं तो उसका दसवां हिस्सा ही पानी के ऊपर होता है जबकि 90 फीसदी या 9/10वां हिस्सा पानी के नीचे होता है। लेकिन महासागरों में नमकीन पानी के होने से घनत्व में थोड़ा से अंतर आ जाता है। जिससे यह आंकड़ा थोड़ा बदल सकता है।

अजब-गजब | मुंबई-पुणे में हैं आलीशान फ्लैट, करोड़ों की है संपत्ति

ये है दुनिया का सबसे अमीर भिखारी

मध्य प्रदेश के इंदौर से खबर आई कि लवकुश चौराहे पर बेटी के साथ भीख मांगकर गुजारा करने वाली एक महिला हर दिन 5,500 रुपये से ज्यादा की कमाई करती है। लोगों के कान तब खड़े हुए जब 45 दिन में उसके बैंक खाते में 2.50 लाख रुपये जमा हुए। इंदौर की ये महिला ऐसी इकलौती भिखारी नहीं है, जो हर साल लाखों रुपये की कमाई करती है। बता दें कि दुनिया का सबसे अमीर भिखारी भी भारत से ही है। करोड़पति भिखारी भरत जैन मुंबई में रहता है। अक्सर हम गली-मोहल्ले, चौराहे, बस और ट्रेन में भिखारियों को गरीब, बेचारा, बेसहारा मानकर कुछ पैसे दे देते हैं। लेकिन, इनमें से कुछ लोग गरीब नहीं, करोड़पति निकलते हैं। भीख मांगकर कुछ लोग करोड़पति तक बन चुके हैं।

दुनिया का सबसे अमीर भिखारी भरत जैन मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस और आजाद मैदान में भीख मांगता है। भरत जैन के पास मुंबई और पुणे में करोड़ों रुपये के मकान के साथ ही दुकानें भी हैं। यही नहीं, उसके बच्चे कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ते हैं। वह खुद मुंबई में 1.20 करोड़ रुपये कीमत के फ्लैट में रहता है। वह भीख मांगकर करोड़ों रुपये की संपत्ति जुटा चुका है। उसने भीख मांगकर अपना अलग बिजनेस भी शुरू कर लिया है। इतनी संपत्ति बनाने के बाद भी भरत जैन ने भीख मांगना नहीं छोड़ा है।

परिवार वालों के लाख मना करने के बावजूद

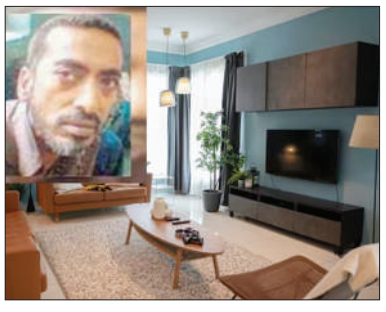

भरत जैन ने भीख मांगना जारी रखा हुआ है। भरत जैन के परिवार में पत्नी, दो बेटे, एक भाई और पिता हैं। भरत जैन हर महीने भीख मांग कर 75 हजार रुपये तक कमा लेता है यानी उसकी हर दिन की औसत कमाई 2,500 रुपये है। वहीं, उसकी सालाना आय 9 लाख रुपये है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि भरत जैन भीख मांगकर हर महीने जितना कमा रहा है, उतनी राशि एक सामान्य नौकरीपेशा आदमी भी रोजाना नहीं कमा पाता है। एक अनुमान के मुताबिक, भरत जैन की नेटवर्थ 10 लाख डॉलर यानी 8.50 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इसमें भीख मांगने से हुई कमाई के अलावा उनके बिजनेस से होने वाली आय भी शामिल है। भरत जैन के पास परेल में 2 बेडरूम, हॉल, किचिन वाला फ्लैट है। इसके अलावा ठाणे में उसके पास दो दुकानें हैं। इनसे हर महीने 50,000 रुपये तक किराया मिलता है। कोई छोटा दुकानदार भी हर दिन भरत जैन के बराबर बचत नहीं निकाल पाता है। भरत जैन की कमाई के चलते उनके बच्चों का लाइफस्टाइल काफी अच्छा है। भरत जैन की ठाणे वाली दोनों दुकानों की कीमत करोड़ों रुपये बताई जाती है। भरत का परिवार एक स्टेशनरी स्टोर भी चलाता है, जिससे हर महीने मोटी कमाई होती है। इसके अलावा उनके पुणे में भी घर हैं। इन घरों को भी भरत जैन ने किराये पर चढ़ा रखा है। ज्ञात लखपति भिखारियों में कोलकाता की रहने वाली लक्ष्मी का नाम भी शामिल है। लक्ष्मी 16 साल की उम्र से भीख मांगने का काम कर रही है। उसने 50 साल भीख मांगकर लाखों रुपये जमा कर लिए हैं। मुंबई की रहने वाली गीता चर्नी सड़क पर घूम-घूमकर भीख मांगती है। उसके पास अपना एक फ्लैट है। इस फ्लैट में उसके साथ भाई भी रहता हैं। गीता भीख मांगकर हर दिन औसत 1500 रुपये कमाती है। बिहार के पटना की भिखारी सर्वतिया देवी अशोक सिनेमा के पीछे रहती है। वह भीख मांगकर हर महीने 50,000 हजार रुपये तक कमा लेती है। वहीं, मुंबई के खार के पास भीख मांगने वाला संभाजी काले का बैंक बैलेंस 1.5 लाख है। इसके अलावा सोलापुर में उसकी रियल स्टेट प्रॉपर्टी भी है। मुंबई का कृष्ण कुमार गिते चर्नी रोड पर भीख मांगता है। उसे हर रोज 1500 रुपये तक कमाई होती है। वह एक अपार्टमेंट का मालिक है।

सरकार नहीं होने पर भी होंगे सभी विकास कार्य : नकुलनाथ

कमलनाथ ने बेटे के भाजपा में जाने की खबरों का किया खंडन

» बोले- अब छिंदवाड़ा किसी पहचान का मोहताज नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद से ही कमलनाथ की भूमिका को लेकर संशय बना हुआ है। अब पिछले कुछ दिनों से कमलनाथ के बेटे व छिंदवाड़ा से कांग्रेस सांसद नकुलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, कमलनाथ व नकुलनाथ की ओर से इन खबरों को खारिज किया जा रहा है। बीते रोज ही कमलनाथ और नकुलनाथ छिंदवाड़ा पहुंचे जहां उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया था। कार्यकर्ताओं से बात करते हुए कमलनाथ ने अपने पुराने दिन याद किए। उन्होंने अपने दिल की बात कार्यकर्ताओं के साथ साझा की। कमलनाथ ने कहा कि एक समय ऐसा भी था कि अमरवाड़ा और हर्रई क्षेत्र का दौरा कर जब मैं छिंदवाड़ा लौटता था, तो कपड़े मिट्टी से सन जाते थे, पक्की सड़कें नहीं थीं। कोई आवेदन लिखने वाला नहीं मिलता था। भोपाल और नागपुर के लोग छिंदवाड़ा को जानते तक नहीं थे, कहते थे कौन सा छिंदवाड़ा?

पूर्व सीएम कमलनाथ ने उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारा छिंदवाड़ा किसी पहचान का मोहताज नहीं है, आप कहीं भी चले जाइए। सिर उठाकर कह सकते हैं कि हम छिंदवाड़ा से हैं। आज छिंदवाड़ा की एक अलग पहचान है और यह पहचान भी आप सभी के सहयोग, प्यार और सोच से बनी है, जिसका श्रेय भी मैं आप लोगों को ही देना चाहता हूं।

छिंदवाड़ा के विकास में नहीं आएगी कोई कमी

सांसद नकुलनाथ ने आयोजित विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा कि हमारा 42 वर्ष पुराना पारिवारिक संबंध है, इसे नई पीढ़ी को बताना होगा। अब यह संबंध दो पीढ़ियों से जुड़कर और मजबूत हो चुका है। छिंदवाड़ा जिले में हाईवे, रिंग रोड़, ग्रामीण सड़कें, सुचारू पेयजल के इंतजाम और बड़े जलाशय व तालाबों का निर्माण कमलनाथ जी ने अपने केंद्रीय मंत्रित्व कार्यकाल में पूर्ण कराये हैं। मैं भी आपको विश्वास दिलाता हूं कि जिले के चहुंमुखी विकास में कोई कमी नहीं आने दूंगा। कमलनाथ जी के मार्गदर्शन में हम मिलकर जिले के विकास को पूरी गति से आगे बढ़ायेंगे, यह मेरा आपसे वादा है। उन्होंने कहा कि यह कतई न सोचें कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार नहीं है, तो काम नहीं होंगे। पूर्व की भांति ही सभी कार्य होंगे। आगामी कुछ ही माह में लोकसभा चुनाव संपन्न होंगे, आप सभी को अभी से जुटना है और इसके लिये पहले सेही कार्ययोजना तैयार करें, ताकि चुनाव के दौरान कार्य करने में आसानी हो।

भाजपा-मोदी सत्ता में आए तो खतरे में पड़ जाएगा क्षेत्रीय दलों का भविष्य

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने बीजेपी व पीएम मोदी पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि यदि प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर से सत्ता में आई तो क्षेत्रीय दलों के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा।

चिदंबरम अपनी नई किताब पर चर्चा के लिए कोलकाता पहुंचे थे। उन्होंने लोकसभा चुनाव में राम मंदिर के मुद्दे के असर पर भी खुलकर बात की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर आगामी लोकसभा चुनाव में एक मुद्दा हो सकता है, लेकिन यह निर्णायक होगा या नहीं? यह तो समय ही बताएगा।

इंडिया गठबंधन के भविष्य पर कुछ नहीं कह सकता

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि वह विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के भविष्य को लेकर कुछ नहीं कह सकते। ऐसा इसलिए क्योंकि वह पार्टी की राष्ट्रीय गठबंधन समिति का हिस्सा नहीं हैं। मैं गठबंधन की बैठकों में भी हिस्सा नहीं ले रहा हूं, लेकिन मुझे पूरी उम्मीद है कि बाकी सभी पार्टियां समझेंगी कि पीएम मोदी और भाजपा की केंद्र में वापसी से क्षेत्रीय दलों के लिए खतरा साबित होगी।

बंगाल सरकार में मंत्री ज्योतिप्रिया मलिक मंत्रिपद से निष्कासित

» राशन घोटाले में जेल जाने के 109 दिन बाद छिने दोनों विभाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। राशन वितरण घोटाले में जेल में बंद पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिया मलिक को राज्य सरकार ने पद से हटा दिया है। ज्योतिप्रिया मलिक राज्य की ममता बनर्जी सरकार में वन मंत्री थे। राज्य सरकार ने यह जिम्मेदारी अब बीरबाहा हंसदा को सौंप दी है। हांसदा वन एवं स्वयं सहायता-स्वरोजगार समूह (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री हैं।

वहीं, सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मलिक के पास सार्वजनिक उद्यम और औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग भी था, जो अब पार्थ भौमिक को सौंप दिया गया है। भौमिक सिंचाई एवं जलमार्ग विभाग के प्रभारी मंत्री हैं। अधिकारी के मुताबिक, यह फैसला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की

सलाह पर लिया गया है।

राजभवन के एक सूत्र ने बताया कि राज्यपाल सी.वी आनंद बोस ने संविधान के अनुच्छेद 166(3) के तहत मलिक को तत्काल प्रभाव से मंत्री के रूप में उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया। मलिक को केंद्रीय एजेंसी ने 27 अक्टूबर की सुबह कोलकाता के पूर्वी इलाके में साल्ट लेक स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था। उनके पास 2011 से 2021 तक खाद्य और आपूर्ति विभाग था। नेता फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। हालांकि, मलिक ने अपनी गिरफ्तारी को एक षड़यंत्र बताया था। उन्होंने कहा, मैं एक बड़ी साजिश का शिकार हूं।

विजयन हर किसी का करना चाहते हैं शोषण : आरिफ खान

केरल राज्यपाल का मुख्यमंत्री पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एर्नाकुलम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पी. विजयन के कहने पर स्टूडेंट्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआइ) उनके खिलाफ काले झंडे के साथ विरोध प्रदर्शन कर रहा है। एसएफआइ ने गुरुवार को आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया था।

एसएफआइ का आरोप है कि राज्यपाल राज्य में विश्वविद्यालयों के चांसलर के रूप में अपने अधिकार का उपयोग करके, केरल के विभिन्न विश्वविद्यालयों में भाजपा-आरएसएस के उम्मीदवारों को आगे बढ़ा रहे हैं।

मैं डरने वाला नहीं हूं

केरल के राज्यपाल ने कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री एसएफआइ को विरोध प्रदर्शन के लिए कह रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ, वह यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस को तैनात करते हैं कि प्रदर्शनकारी मेरे पास न आएं। क्योंकि वह जानते हैं कि अगर उन्होंने मुझे छुआ, तो परिणाम क्या होंगे? वह हर किसी का शोषण करना चाहते हैं। विजयन को अहसास होना चाहिए कि मैं डरूंगा नहीं, लेकिन जिस तरह से वह पुलिसकर्मियों को परेशान कर रहे हैं और युवाओं का शोषण कर रहे हैं, उससे मुझे दुख होता है।

भारत को झटका, बीच मैच से बाहर हुए अश्विन

» मां की तबियत खराब होने के चलते वापस लौटे घर

» तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन ही पूरे किए थे 500 टेस्ट विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजकोट में इंग्लैंड और भारत के बीच तीसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। बल्लेबाजों की मददगार पिच पर भारत के 445 रनों के जवाब में इंग्लैंड ने भी आक्रामक खेल दिखाते हुए खबर लिखे जाने तक 7 विकेट के नुकसान पर 300 रन बना लिए हैं। आज मैच का तीसरा दिन है, लेकिन तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले ही भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। मैच का हिस्सा रहे स्पिनर आर. अश्विन बीच मैच से बाहर हो गए हैं और वापस अपने घर चेन्नई लौट गए हैं।

अश्विन ने इसी मैच के दूसरे दिन ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 500 विकेट भी पूरे किए थे। लेकिन उनकी इस उपलब्धि के बाद ही अश्विन को घरेलू मेडिकल

इमरजेंसी के चलते पूरे मैच से बाहर होने पड़ा और अब वो राजकोट टेस्ट का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। बीसीसीआई की ओर से बताया गया है कि अश्विन की मां चित्रा की तबीयत खराब है। इस वजह से वो टेस्ट मैच से बाहर हुए हैं। बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने बात की पुष्टि की।

जैक क्राउली को बनाया अपना 500वां शिकार

जाहिर है कि अश्विन ने राजकोट टेस्ट में ही 500 विकेट लेकर इतिहास रचा है। राजकोट टेस्ट के दूसरे दिन यानी कल 16 फरवरी को अश्विन ने जैक क्राउली को अपना 500वां शिकार बनाया। इस तरह वो टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। अश्विन से आगे सिर्फ पूर्व दिग्गज स्पिन अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 619 विकेट झटके।

अब 16 मार्च को कोर्ट के सामने पेश होंगे सीएम केजरीवाल

राउज एवेन्यू कोर्ट में आज वर्चुअली पेश हुए मुख्यमंत्री

» बोले- बजट सत्र के चलते फिजिकली नहीं हो सका पेश

» ईडी के पांच समन की अनदेखी के बाद आज कोर्ट में हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी और सीएम अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। सीएम केजरीवाल आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। दिल्ली शराब घोटाले में बार-बार समन मिलने के बाद भी केजरीवाल पेश नहीं हो रहे थे, जिसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा कि सीएम को हाजिर होना होगा।

ईडी ने कोर्ट से मांग करते हुए कहा केजरीवाल को कि निर्देश दिया जाए कि उन्हें फिजिकली उपस्थित होना होगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि उनके वकील पहले ही कह चुके हैं कि वह पेश होंगे और जमानत याचिका भी दायर करेंगे।

केजरीवाल ने आज अपनी वर्चुअल पेशी के दौरान कहा कि मैं फिजिकली आना चाहता था लेकिन ये अचानक विश्वास प्रस्ताव आ गया। बजट सत्र चल रहा है, जो 1 मार्च तक चलेगा। इसके बाद कोई भी तारीख दी जा सकती है। जिस पर कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की पेशी के लिए 16 मार्च की तारीख तय कर दी।

बता दें कि शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी पिछले पांच समन के दौरान अपनी अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण देने के लिए केजरीवाल आज अदालत के सामने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे।

कोर्ट ने केजरीवाल को बताया था कानूनी रूप से बाध्य

दिल्ली की एक अदालत ने इस मामले में भेजे गए समन की अवज्ञा करने के लिए ईडी द्वारा दायर एक शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पिछले सप्ताह केजरीवाल को 17 फरवरी को उसके समक्ष पेश के लिए कहा था। अदालत ने कहा था कि केजरीवाल प्रथम दृष्टया इसका अनुपालन करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं।

ईडी के सूत्रों के मुताबिक, आज की सुनवाई से अरविंद केजरीवाल को जारी समन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ईडी ने उन्हें 19 तारीख को पेश होने के लिए कहा है। इस बीच, अगर ईडी अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई करने का फैसला करती है, तो ऐसा करना उनके अधिकार क्षेत्र में है।

19 को ईडी के सामने होना है पेश

पार्टी नाम व चिन्ह छिनने पर छलका शरद पवार का दर्द

जिसने पार्टी बनाई उसे ही पार्टी से निकाल दिया गया

» बोले- हमें जनता के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बारामती। महाराष्ट्र के बारामती पहुंचे शरद पवार का आज एनसीपी पार्टी का नाम व चिन्ह छिनने पर दर्द छलका। इस दौरान सीनियर पवार ने कहा कि जिसने पार्टी बनाई, उसे ही पार्टी से निकाल दिया गया। शरद पवार ने कहा कि यह फैसला कानून के अनुसार सही नहीं है और हम इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे।

शरद पवार ने कहा कि ऐसा कभी नहीं हुआ कि जिसने राजनीतिक पार्टी बनाई, उसे ही पार्टी से बाहर कर दिया गया। न सिर्फ ये ही पार्टी का चुनाव चिन्ह भी छीन लिया गया। यह फैसला कानून के अनुसार सही नहीं है। हम इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हमें जनता की बीच अपनी पहुंच बढ़ाने की जरूरत है। जाहिर है कि बीते दिनों चुनाव आयोग ने अजित पवार के गुट वाली एनसीपी को असली एनसीपी माना है। चुनाव आयोग ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का चुनाव चिन्ह भी अजित पवार गुट को देने का आदेश दिया। चुनाव आयोग ने पार्टी के संविधान, बहुमत के आधार पर अपना फैसला सुनाया। हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने भी अजित पवार गुट के पक्ष में ही फैसला सुनाया था। शरद पवार ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

सुप्रिया सुले के खिलाफ उम्मीदवार उतार सकते हैं अजित

शरद पवार का बारामती का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब ऐसी चर्चाएं हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में बारामती सीट पर सुप्रिया सुले के खिलाफ अजित पवार भी अपना उम्मीदवार उतार सकते हैं। बारामती सीट परंपरागत रूप से शरद पवार की राजनीति का गढ़ रही है और पहले शरद पवार और फिर उनकी बेटी सुप्रिया सुले बारामती से सांसद हैं। ऐसी भी चर्चाएं हैं कि अजित पवार, बारामती सीट से अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को चुनावी मैदान में उतार सकते हैं।

प्रदीप शर्मा बने लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ कैंट विधानसभा के निवासी प्रदीप शर्मा समाजवादी पार्टी के लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। उनकी नियुक्ति समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने की। इससे पहले उन्हें कैंट विधानसभा के प्रभारी पद पर भी नियुक्त किया जा चुका था।

बता दें कि प्रदीप शर्मा समाजवादी पार्टी में विगत 22 वर्षों से कार्यरत हैं। वो वार्ड अध्यक्ष से लेकर नगर महासचिव, प्रदेश सचिव जैसे विभिन्न पदों पर रह चुके हैं। प्रदीप शर्मा आंदोलनों कार्यक्रमों में काफी सक्रिय रहते हैं और प्रमुखता से भाग लेते आए हैं। उनके समायोजन से कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।

झारखंड सरकार में मंत्री न बनाए जाने से नाराज बैद्यनाथ हुए बागी

» जेएमएम विधायक का दावा- कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के दबाव में लिया गया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड सरकार के कैबिनेट विस्तार में मंत्री नहीं बनाए जाने पर हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक बैद्यनाथ राम ने नाराजगी जाहिर करते हुए अगला चुनाव निर्दलीय लड़ने का ऐलान किया है। विधायक बैद्यनाथ राम ने आरोप लगाया कि अंतिम समय में शपथ लेने वाले मंत्रियों की सूची से उनका नाम हटा दिया गया। विधायक ने कहा कि वो इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगे और जरूरत पड़ने पर आगामी विधानसभा चुनाव एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लड़ेंगे।

बता दें कि जेएमएम सुप्रीमो शिबू सोरेन के सबसे छोटे बेटे बसंत सोरेन और सात अन्य ने शुक्रवार को झारखंड की चंपई सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। मंत्री नहीं बनाए जाने पर बैद्यनाथ राम ने कहा कि सबकुछ तय हो गया था और मेरा नाम मंत्रियों की सूची में शामिल था लेकिन, आखिरी वक्त पर मेरा नाम हटा दिया गया। यह अपमान है। मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा।

सीएम चंपई ने दो दिन में मामला सुलझाने का दिया आश्वासन

जेएमएम विधायक बैद्यनाथ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के दबाव में मेरा नाम हटा दिया गया। राम ने यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह दो दिनों के भीतर इस मामले को सुलझा लेंगे। बैद्यनाथ राम ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो मैं एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ सकता हूं। इस बीच, मंत्रियों को विभागों के आवंटन के तुरंत बाद कांग्रेस में आंतरिक कलह भी सामने आ गई।

फोटो: 4पीएम

पुलिस भर्ती चारबाग स्थित केकेसी डिग्री कॉलेज से यूपी पुलिस की परीक्षा देकर बाहर निकलते अभ्यर्थी।

किसी के मिलने पर नमन करना मेरी आदत: नीतीश

लालू के 'नीतीश के लिए दरवाजे खुले हैं' वाले बयान पर सीएम ने दिया जवाब

» बोले- हमने इंडिया गठबंधन का नाम तक नहीं दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

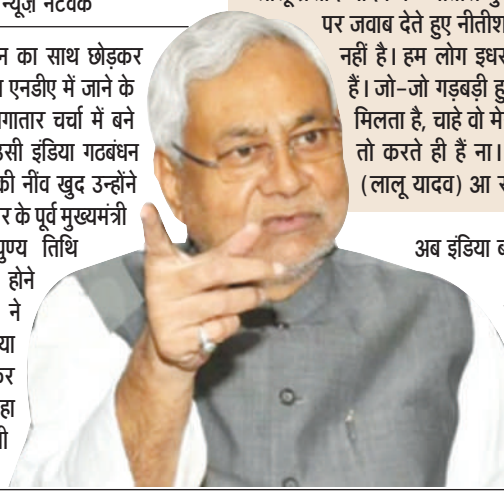

पटना। इंडिया गठबंधन का साथ छोड़कर वापस भाजपा समर्थित एनडीए में जाने के बाद नीतीश कुमार लगातार चर्चा में बने हुए हैं। अब नीतीश उसी इंडिया गठबंधन पर हमलावर हैं जिसकी नींव खुद उन्होंने ही रखी थी। आज बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की पुण्य तिथि कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे नीतीश कुमार ने एक बार फिर इंडिया गठबंधन को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमने तो नाम भी नहीं दिया था, लेकिन अब इंडिया ब्लॉक खत्म हो गया है।

नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन के बारे में बात करते हुए कहा कि हम तो बड़ी कोशिश किए थे। हम तो नाम भी नहीं दिए थे। हम तो नाम दूसरा दे रहे थे। तो वो लोग अपनी तरफ से नाम ले लिया। पहले लोग नाराज हो रहे थे तो हमने कहा छोड़िए कोई भी नाम दे दीजिए। उन्होंने कहा कि हम तो उस समय बहुत कोशिश किए थे। जब हम अलग हुए थे तो उसी समय आपको सब बात बता दिए थे। मेरा काम है कि बिहार के हित में काम करना। जो काम हमने किया है, आगे भी करते रहेंगे। बिहार में पूरे तौर पर एक-एक चीज का काम हो रहा है।

अब कहीं जाने का कोई मतलब नहीं

लालू प्रसाद यादव के 'नीतीश कुमार के लिए दरवाजे खुले हैं' वाले बयान पर जवाब देते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि बयान का कोई मतलब नहीं है। हम लोग इधर आ गए हैं और आराम से काम कर रहे हैं। जो-जो गड़बड़ी हुई है उसकी जांच करेंगे। अब ऐसे कोई भी मिलता है, चाहे वो मेरे खिलाफ हो या विपक्ष में हो तो हम। नमन तो करते ही हैं ना। ये तो मेरी आदत है। हम इधर थे तो वो (लालू यादव) आ रहे थे उधर से, तो हम भी नमन किए।

जाति जनगणना मेरा किया हुआ काम

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जब पूछा गया कि जातिगत गणना को लेकर राहुल गांधी अपना नाम ले रहे हैं? उन्होंने कहा कि मीटिंग में जब हम बोलते थे तो तभी कुछ बोलना था। जातिगत गणना मेरा किया हुआ काम है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।